

## आईसीएआर-राष्ट्रीय याक अनुसंधान केंद्र,दिरांग में "ऊनी वस्तुओं के निर्माण/ बुनाई" पर तीन महीने का लघु पाठ्यक्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम

14 सितंबर, 2023, दिराङ्ग:

आईसीएआर-राष्ट्रीय याक अनुसंधान केंद्र, दिरांग ने आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक फाइबर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता के सहयोग से 14 जून से 13 सितंबर के दौरान दिरांग में "ऊनी वस्तुओं के निर्माण/बुनाई" पर तीन महीने का लघु पाठ्यक्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया। , 2023. केंद्रीय ऊन विकास बोर्ड, जोधपुर ने गहन ऊन विकास कार्यक्रम की अपनी मानव संसाधन विकास योजना के तहत कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है।

इस प्रशिक्षण के दौरान कुल पंद्रह आदिवासी महिलाओं/बेरोजगार युवाओं को याक और भेड़ के ऊन सहित सिंथेटिक और प्राकृतिक फाइबर दोनों की फाइबर गुणवत्ता पर ज्ञान दिया गया। वे भेड़ और याक के ऊन की धुलाई, सफाई, छंटाई और कार्डिंग में भी कुशल थे; इसके बाद सूत बनाना, कपड़ा बनाना और महिलाओं के बैग, हाफ जैकेट, किचन एप्रन, फाइल कवर आदि जैसे कपड़ों की सिलाई करना शुरू किया। इसके अलावा, उन्हें हाथ से बुना हुआ कालीन, दीवार पर लटकाने वाली चटाई, चमार बनाना और विभिन्न प्रकार की बुनाई तैयार करना भी सीखाया गया। सिंथेटिक ऊन का उपयोग करके मोजे, दस्ताने, स्वेटर, मफलर, टोपी आदि जैसे उत्पाद।

कार्यक्रम 14/09/2023 को डॉ. जी.एस. भाटी, सदस्य सचिव, केंद्रीय ऊन बोर्ड, कपड़ा मंत्रालय, डॉ. मिहिर सरकार, निदेशक, आईसीएआर-एनआरसीवाई, दिरांग और डॉ. डी.बी. शाक्यवार की गरिमामय उपस्थिति के साथ एक समापन कार्यक्रम के साथ समाप्त हुआ। , निदेशक, आईसीएआर-निनफेट, कोलकाता। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने अपने उत्पादों को अधिक लाभकारी बनाने के लिए कपड़ा निर्माण में डिजाइन के महत्व के साथ याक के बालों के दायरे और संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशिक्षुओं को अपनी सीख को क्रियान्वित करने का सुझाव दिया और देश में याक पालन के समग्र विकास के लिए याक फाइबर आधारित उद्यमिता के विकास के लिए आगे आने को कहा। सभी प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया गया।

(सूत्र: आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक फाइबर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

## *Three Months Short Course Training Programme on "Manufacturing/Weaving of Woollen Items" at ICAR-NRCY Dirang*

**Dirang 14<sup>th</sup> September, 2023:**

The ICAR-National Research Centre on Yak, Dirang in collaboration with ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata completed a Three Months Short Course Training Programme on "*Manufacturing/Weaving of Woollen Items*" in Dirang during 14<sup>th</sup> June to 13<sup>th</sup> September, 2023. The Central Wool Development Board, Jodhpur have financially supported to successful conduct of the programme under its HRD scheme of Intensive Wool Development Programme.

During this training a total of fifteen tribal women/un-employed youths were enlightened the knowledge on fibre quality of both synthetic and natural fibres including the yak & sheep wools. They were also skilled on washing, cleaning, sorting and carding of sheep & yak wools; followed by yarn making, fabric making and stitching of garments like ladies bag, half jacket, kitchen apron, file cover etc. Besides, they were also learned to make hand knitted carpet, wall hanging, door mat, chamar and knitting to prepare varieties of products like socks, gloves, sweater, muffler, cap etc using synthetic wools.

The programme ended with a valedictory programme on 14/09/2023 with gracious presence of Dr. G. S. Bhati, Member Secretary, Central Wool Board, Ministry of Textile, Dr. Mihir Sarkar, Director, ICAR-NRCY, Dirang and Dr. D. B. Shakywar, Director, ICAR-NINFET, Kolkata. All the dignitaries pointed out the scope and prospects of yak hairs with the importance of designs in textile manufacturing to get its products more remunerative. They also suggested the trainees to implement their learning and asked them to come forward for development of yak fibre based entrepreneurships for overall development of yak husbandry in the country. All trainees were rewarded with Certificates of Training.

(Source: ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)

## *Glimpse of the Events*



**Director, NRCY's address to the trainees in the inaugural programme**



**Group Photograph in the inaugural programme**



**Hands-on-Training under going**



**Valedictory programme cum feedback from trainees**



**Products prepared by trainees**







**Woollen Products**



**Yak Hair products**



**Jute Products**